संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी

छटवी मंजिल विन्ध्याचल भवन, मध्य प्रदेश भोपाल
दूरभाष 0755–2578491 फैक्स 2768159
E-Mail- dirhort@mp.nic.in

क्रमांक/आरकेव्हीवाय/स.क्षे.वि./2016–17/ 454 भोपाल दिनांक – 30/1/2016

प्रति,

उप/सहायक संचालक उद्यान,
जिला–भोपाल/सीहोर/रायसेन/विदिशा/राजगढ़/शाजापुर/आगर–मालवा (म.प्र.)।

विषय– **राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2016–17 अंतर्गत बड़े शहरों के आसपास सब्जी क्षेत्र विस्तार परियोजना के भौतिक वित्तीय लक्ष्यों का आवंटन बाबत।**

——0——

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2016–17 अंतर्गत "बड़े शहरों के आसपास सब्जी क्षेत्र विस्तार" परियोजना के कियान्वयन हेतु संलग्न प्रपत्र अनुसार भौतिक–वित्तीय लक्ष्य आवंटित किये जाते है। आवंटित भौतिक लक्ष्यों की पूर्ति संलग्न परियोजना प्रस्ताव एवं निम्न निर्देशानुसार अतिशीघ्र सुनिश्चित किया जावे–

1. परियोजना अंतर्गत MPFSTS में ऑन लाईन पंजीयन/आवेदन के माध्यम से नवीन कृषकों का चयन किया जाकर "प्रथम आओं प्रथम पाओं" के आधार पर लाभान्वित किया जावे।
2. परियोजना अंतर्गत उन्ही कृषकों को सब्जियों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा जो वर्तमान में सब्जी की खेती नही कर रहे है। जिले को आंवंटित लक्ष्य की पूर्ति फ्रूट एवं वेजीटेबल रूट में चिन्हित क्लस्टर में प्राथमिकता दी जावेगी, तदोपरान्त अन्य ग्रामों में लक्ष्यों की पूर्ति की जावेगी।
3. कृषक को आदान सामग्री एम.पी.एग्रो के माध्यम से प्रदाय की जावे।
4. परियोजना अंतर्गत समस्त 4000 हेक्टर के भौतिक लक्ष्य पूल में उपलब्ध कराये जा रहे है। जिले में कम से कम 200 हेक्टर के भौतिक लक्ष्यों की पूर्ति करना अनिवार्य होगा। नियमानुसार सामान्य, अनुसूचित जन जाति एवं अनुसूचित जाति तथा महिला वर्ग के कृषकों को शासन द्वारा निर्धारित सीमा के अनुसार (65:20:15) लाभान्वित किया जावे।
5. परियोजना अंतर्गत कृषकों को 0.250 हेक्टर से अधिकतम 2.000 हेक्टर की सीमा तक ही अनुदान देय होगा।
6. संकर सब्जी की खेती हेतु एकीकृत बागवानी विकास मिशन के मापदण्ड अनुसार प्रति हेक्टर निर्धारित इकाई लागत राशि रू. 50,000/– का 50 प्रतिशत अनुदान अधिकतम राशि रू. 25,000/– देय होगा।
7. परियोजना उपरोक्त सात जिलों में ही कियान्वित की जावेगी। पूल में उपलब्ध लक्ष्यों का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करे।

संलग्न– उपरोक्तानुसार।

अपर संचालक
उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी
मध्यप्रदेश, भोपाल

पृ.क्रमांक/आरकेव्हीवाय/स.क्षे.वि./2016–17/ 455 भोपाल दिनांक – 30/1/2017

प्रतिलिपिः– सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतुः–

1. प्रबंध संचालक, एम पी एग्रो इन्डस्ट्रीज डेव्हलपमेन्ट कार्पोरेशन लिमिटेड, पंचानन भवन भोपाल की ओर MPFSTS में उपरोक्त सात जिलों में परियोजना कियान्वयन किये जाने हेतु भौतिक लक्ष्य फीड कराये जाने हेतु प्रेषित है।
2. उप सचिव, मध्यप्रदेश शासन, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, मंत्रालय भोपाल।
3. संयुक्त संचालक उद्यान, संभाग भोपाल/उज्जैन ।

30/1/17

अपर संचालक
उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी
मध्यप्रदेश, भोपाल

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2016–17 अंतर्गत बड़े शहरों के आसपास सब्जी क्षेत्र विस्तार परियोजना के जिलेवार वर्गवार प्रस्तावित भौतिक वित्तीय लक्ष्य आवंटन पत्रक

(राशि रू. लाख में)

कमांक	जिला	इकाई	वर्गवार भौतिक लक्ष्य			योग	वर्गवार वित्तीय लक्ष्य			योग
			सामान्य	अजजा.	अजा.		सामान्य	अजजा.	अजा.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	पूल में उपलब्ध लक्ष्य	हेक्टर	2600	800	600	4000	650.00	200.00	150.00	1000.00
	योग –	हेक्टर	**2600**	**800**	**600**	**4000**	**650.00**	**200.00**	**150.00**	**1000.00**

30/1/17

अपर संचालक
उद्यानिकी एवं प्रक्षैत्र वानिकी
मध्यप्रदेश भोपाल

①

Project Profile

2016-17

Area expansion of Vegetables around Big cities

Submitted By:
Directorate of Horticulture and Farm Forestry
Government of Madhya Pradesh
4th Floor, Vindhyachal Bhavan,
Arera Hills, Bhopal -462004
Phone: 0755-2578491
E-Mail: dirhort@mp.nic.in

Table of Contents

1. Introduction 3
2. Background 3
3. Objective 3
4. Justification 3
5. Project Description 4
6. Project cost 4
7. Expected Outcome :- 4
8. Monitoring & Evaluation :- 5

PROJECT:- Area expansion of Vegetables around big cities

1. Introduction

Under this scheme production, productivity and area expansion was organic farming contemplated for ensuring supply of quality vegetable to large towns of the Madhya Pradesh, meager state divisional is identified as town for ensuring of supply of vegetable.

2. Background

Vegetable are traditionally grown by a group of farmers who are known as Kachis. The supply and sale of vegetable is a complex chain of traders and middlemen leading to the exploitation of farmers. Under these circumstances it was realized that if the prices of vegetable is to be controlled, reforms are required not only at the production side but also at the transportation and sale side.

3. Objective

a. To promote organic farming in vegetable cultivation.
b. Strengthen the traditional vegetable farmer by providing quality inputs, infrastructure and better technology.
c. Area Expansion by convincing other farmers to take up vegetable.
d. Minimizing losses during harvesting and transportation.
e. Organizing the farmers into farers' Interest Group (FIGs) and further Culsters by forming Farmer Producer Organizations (FPOs)
f. Ensuring market for the vegetables by appointing Aggregators and providing quality vending and retail space

4. Justification

Strength	Weakness
• The cluster will offer opportunity of introduction of high yielding and newer varieties of vegetable • The farmer will be able to negotiate with the buyers for better price,	• The FPOs are highly dependent upon the subsidy provided by the sub-scheme. • Withdrawal of this scheme may result into set back to the organization.

Opportunity	Threat
• The cost of vegetable will be remunerative to the farmer • Higher production will result in stable prices for the customers.	• There is only one aggregator who is likely to become a monopolist. • Lack of climate result in loss of quality during the periods of lean demand.

5. Project Description

a. Area: Divisional headquarter such as Bhopal, Ujjain, Indore, Rewa, Gwalior, Hoshagabad, Jabalpur, Sagar and Shahdol.

b. Component: Distribution of subsidy for Hybrid vegetable cultivation (Hybrid seed, Bio-pesticide, Fungicide and Biochemical)

c. Cost Norms: As per the Mission on Integrated Development of Horticulture (MIDH) cost norms:

S.No.	Name of Component	Unit Cost (Rs. in lakh)	Rate of assistance (Rs. in lakh)	Physical Target (In Ha.)	Farmer Share (50%) (Rs. in lakh)	Subsidy Amount (50%) (Rs. in lakh)	Project Cost (Rs. in lakh)	No. of Beneficiary (Approx)
1	2		4	5	8		9	10
1.	**Vegetable cultivation** (Hybrid seeds)	0.50	0.25	4000	1000.00	1000.00	2000.00	6000
	Grand Total	**0.50**	**0.25**	**4000**	**1000.00**	**1000.00**	**2000.00**	**6000**

d. Implementing Agency: Horticulture & Farm Forestry, Madhya Pradesh.

6. Project cost

The total Project cost is Rs. 2000. lakhs and subsidy of Rs. **1000.00** lakhs for one year will be required for the project.

7. Expected Outcome :-

Increase in production and productivity will result in better yields to farmers as compared to the traditional agriculture crops.

8. Monitoring & Evaluation :-

Farmers of Clusters are being registered online so that not only the distribution of subsidy is monitored but also improvement in the living standards of the individual farmer.

(M. S. Dhakad)
Director
Horticulture & Farm Forestry
Madhya Pradesh, Bhopal